भारतीय गैर न्यायिक

INDIA NON JUDICIAL

RUPEES 25000 रुपये

पच्चीस हजार रुपये

0JDD 415796

09 MAR 2004

इलाहाबाद DSFT

विक्रयपत्र

हम कि शम्भूलाल व किशोरी पुत्रगण बैजनाथ निवासीगण चक मुन्डेरा परगना व तहसील सदर जनपद इलाहाबाद ------- विक्रेतागण। प्रथमपक्ष।

व

शेखरचन्द्र जैन पुत्र श्री प्रेमचन्द्र जैन निवासी ३७ चाहचन्द शहर इलाहाबाद --------- क्रेता। द्वितीयपक्ष

विदित होकि विक्रेता। प्रथमपक्षगण आराजी वाके मौजा चक मुन्डेरा तहसील सदर जनपद इलाहाबाद की आराजी नम्बर ६४ रकबा ०.३२० हे० के १।४ भाग व आराजी नम्बर ६५ रकबा ०.१६० हे० व ६६ रकबा ०.१६० हे० के १।१० भाग के तनहा भूमिधर मालिक काबिज

कलेक्ट्रेट कोषागार-इलाहाबाद

दिनांक 11/3/04 .... जनरल/नेट फीस रुपया 25000

नाम व पता [illegible]

[illegible]

हस्ताक्षर

53100

बैनामा .... 1334000 .... मु० नि० .... योग .... सदर नगमबे 100

श्री .... पुत्र ....

निवासी .... [illegible]

ने यह लेखपत्र जिस पर फोटो [illegible] चिपका है आज

दिनांक 11-3-04 को मध्य 3 व 4 बजे दिन कार्यालय उप निबंधक

सदर इलाहाबाद में प्रस्तुत किया।

उप निबंधक

सदर-इलाहाबाद

11-3-04

[illegible]

लेखपत्र की संविदा व विषय वस्तु को सुनने व समझने के पश्चात लेखपत्र

का निष्पादन करना एवम् रुपये .... 53100 ....

.... प्रलेखानुसार पूर्व/~~मेरे समक्ष प्राप्त करना~~

श्री .... पुत्र श्री ....

निवासी .... [illegible]

.... ने स्वीकार किया। [illegible]

भारतीय गैर न्यायिक

INDIA NON JUDICIAL

RUPEES 25000 रुपये

पच्चीस हजार रुपये

01DD 415795

09 MAR 2004

इलाहाबाद DSFT

२

व दखील है । यह आराजियात विक्रेतागण की पैतृक है । विक्रेतागण के अलावा विक्रेतागण के हिस्से मे कोई अन्य वारिसान हिस्सेदार व सामझीदारनही है जोकि इसप्रकार के भार व प्रभार से सर्वथा मुक्त है तथा कही रेहन बय पटटा या गिरवी नही है । विक्रेतागण को इस समय अपने निजी व्यय एवम कारोवार की उन्नति के लिये तथा पारिवारिक तमाम जरूरतो को पूरा करने के लिये रूपयो की सख्त जरूरत है सिवाय उक्त भूमि के अपने भाग जिसका पूर्ण विवरण नीचे दिया जा रहा है को विक्रय करने के रूपया मिलने की दूसरी सूरत नही दिखलाई पड़ रही है लिहाजा विक्रेतागण प्रथमपक्ष अपनी राजी

भारतीय गैर न्यायिक

INDIA NON JUDICIAL

RUPEES 25000 रुपये

पच्चीस हजार रुपये

0JDD 415795

09 MAR 2004

व दखील है । यह आराजियात विक्रेतागण की पैत्रृक है । विक्रेतागण के अलावा विक्रेतागण के हिस्से मे कोई अन्य वारिसान हिस्सेदार व साझीदारनही है जो कि हरप्रकार के भार व प्रभार से सर्वथा मुक्त है तथा कही रेहन बय पटटा या गिरवी नही है । विक्रेतागण को इस समय अपने निजी व्यय एवम कारोबार की उन्नति के लिये तथा पारिवारिक तमाम जरूरतो को पूरा करने के लिये रूपयो की सख्त जरूरत है सिवाय उक्त भूमि के अपने भाग जिसका पूर्ण विवरण नीचे दिया जा रहा है को विक्रय करने के रूपया मिलने की दूसरी सूरत नही दिखलाई पड़ रही है लिहाजा विक्रेतागण प्रथमपक्ष अपनी राजी

दिनांक 11/3/04 जनरल/कोर्ट फीस रुपया 2000

नाम व पता ....

....

हस्ताक्षर 11/03/04

जिनकी पहचान श्री ....

निवासी .... बलवन्तसिंह .... पुत्र श्री .... मघवी

तथा श्री ....पुत्र श्री ....

निवासी ....

शहर व जिला इलाहाबाद ने की ।

उप निबंधक

सदर-इलाहाबाद

11.3.04

बलवन्तसिंह

उपरोक्त प्रणटतः भले साथियों के अंगुष्ठ चिन्ह नियम लिए गये हैं।

11.3.04

भारतीय गैर न्यायिक

INDIA NON JUDICIAL

RUPEES 25000 रुपये

सत्यमेव जयते

पच्चीस हजार रुपये

0JDD 415794

09 MAR 2004

इलाहाबाद DSFT

व खुशी से विला किसी के वहकाये व पुस्लाये दुरूस्त होश हवास मे स्वस्थ मन व वुद्धि से भूमि निम्नलिखित के अपने सम्पूर्ण भाग निम्नलिखित को वएवज मु० ५३७००० पांच लाख सेतिस हजार रूपया कि जिसका आधा मु० २६८५०० दो लाख अरसठ हजार पांच सौ रूपया होता है वदस्त वहक श्री शेखरचन्द्र जैन पुत्र श्री प्रेमचन्द्र जैन निवासी ३७ चाहचन्द इलाहावाद (क्रेता द्वितीयपक्ष) के वेचा व क्य कामिल किया। क्रेता द्वितियपक्ष से प्रथमपक्ष को कुल विक्रय मूल्य मु० ५३७०००) पांच लाख सेतिस हजार रूपया आज नकद समक्ष उपनिवन्धक सदर

दिनांक 11-3/04 जनरल/कोर्ट फीस रुपया [illegible]

नाम व पता [illegible]

[illegible]

हस्ताक्षर

भारतीय गैर न्यायिक

INDIA NON JUDICIAL

RUPEES 25000 रुपये

पच्चीस हजार रुपये

01DD 415793

उत्तर 09 MAR 2004 प्रदेश

इलाहाबाद DSFT

इलाहाबाद के प्राप्त होगया। अव क्रिकेता प्रथमपक्ष काक्रेता द्वितीय पक्ष के जिम्मे वावत जरसमन एक भी पैसा बाकी नही रहा। यही तहरीर निसवत वसूल्याव ी कुल जरसमन के काफी है रसीद जुदागाना लिखने की जरूरत नही है। जायदाद किाेहुई पर से विक्रेतागण ने अपना कब्जा व दखल उठा लिया और मिस्ल अपने मालिकाना तौर पर क्रेता द्वितियपक्ष को काविज वदखल करा दिया। अब बवजह लिख देने दस्तावेज हाजा वहक क्रेता जायदाद किाेहुई मे विक्रेतागण प्रथमपक्ष का कुछ भी हक वहिस्सा कब्जा

कलक्ट्रेट कोषागार-इलाहाबाद

दिनांक .... जनरल/ ... फीस रुपया ....

नाम व पता ....

....

हस्ताक्षर

भारतीय गैर न्यायिक

INDIA NON JUDICIAL

RUPEES 25000 रुपये

पच्चीस हजार रुपये

0 9 MAR 2004

इलाहाबाद DSFT

01DD 415792

५

व दखल बाकी नही रहा। आज की तारीख से जायदाद किर्तुई का तनहा मालिक काविज व दखील क्रेता हुआ उसको हकहासिल है कि बावत जायदाद किर्तुई जो जो तसरुपात मालिकाना चाहे अमल मे लावे और नाम अपना दर्ज कागजात सरकारी करा लेवे।अगर जायदाद किर्तुई बवजह नुक्स मिलकियत या फेल बेजा हम विक्रेतागण प्रथमपक्ष या दावेदारी किसी दीगर सख्स के क्रेता के कब्जा व दखल से निकल जावे जिससे कि क्रेता का नुकसान व खिसारा होवे तो क्रेता द्वितीयपक्ष को हक हासिल होगा कि वह अपना कुल जर समन मय नुकसान व खिसारा के विक्रेतागण प्रथमपक्ष की जात व जायदाद

कलक्ट्रेट कोषागार-इलाहाबाद

दिनांक 11/3/04 जनरल/कोर्ट फीस रुपया 25000

नाम व पता [illegible]

37 [illegible]

हस्ताक्षर 11.3.04

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

कलेक्ट्रेट कोषागार

उत्तर 09 MAR 2004 प्रदेश

इलाहाबाद

६

मनकूला व गैर मनकूला से जिस तरह से चाहेगा वसूल कर लेवेगा इसमें विक्रेतागण प्रथमपक्ष व उनके वारिसान कायममुकामान को कुछ उज्र वस्तराज न होगा।

लिहाजा यह बयनामा कर्त्ते लिख दिया कि सनद रहै और वक्त जरूरतपर काम आवे।

तपसील जायदाद मुबैया

वाके मौजा चकमुन्डेरा परगना व तहसील सदर जिलाइलाहाबाद की आराजी नम्बर- ६४ रकवा ०.३२० हे० का १।४ भाग हिस्सा विक्रेतागण प्रथमपक्ष अपना कुलका कुल विक्रय किया तथा आराजी

स्टाम्प विक्रय की तिथि 11-3-2004

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन बैनामा

स्टाम्प क्रेता का नाम व पूरा पता शेखर चन्द्र जैन पुत्र श्री प्रेम चन्द्र जैन

म०न० 37 चाहचन्द इलाहाबाद

स्टाम्प की धनराशि- 5000/

स्टाम्प विक्रेता उमा शंकर

लै० न० ५२७ चौरासी खम्भा कचेहरी, इला०

ल० की अवधि १-४-०३ से ३१-३-०४ तक

284

09 MAR 2004

उमेश्‌ाल 1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

कलेक्ट्रेट कोषागार
उत्तर 0 3 MAR 2004 प्रदेश
इलाहाबाद

७

नम्बर - ६५ रकवा ०.१६० हे० व ६६ रकवा ०.१६० हे० कुल दो गाटा कुल रकवा ०.३२० हे० का १।१० भाग हिस्सा विक्रेतागण। प्रथमपक्ष अपनाकुल का कुल विक्रय किया इसप्रकार कुल विक्रित रकवा १११२ वर्गमीटर विक्रय कियागया विक्रित भूमि की चौहद्दी- उत्तर- आराजी नम्बर ६७ व ७१ (प्रेमचन्द्र व हेमचन्द्र जैन) दक्षिण-आराजी नम्बर ६०प्रेमचन्द्र हेमचन्द्र जैन) पूरब- आराजी नम्बर ६४ व ६५ व ६६ का जुज भाग। पश्चिम- आराजी नम्बर ६४ व ६५ व ६६ का जुजभाग जिसकेमालिकअनूपचन्द्र जैन है। विक्रित भूमि मे कोई निर्माण

[signature] [signature]

स्टाम्प विक्रय की तिथि 11-3-2004

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन बैनामा

स्टाम्प क्रेता का नाम व पूरा पता शेखर चन्द्र जैन पुत्र श्री प्रेम चन्द्र जैन

सा० 37 चाह चन्द्र इलाहाबाद

स्टाम्प की धनराशि— 1000

स्टाम्प विक्रेता उमा शंकर

लै० नं० ५२७ चौरासी खम्भा कचेहरी, इला०

ल.० की अवधि १-४-०३ से ३१-३-०४ तक

287

1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

कलेक्ट्रेट कोषागार उत्तर प्रदेश 03 MAR 2004 इलाहाबाद

८

नही है मौकेपर खुली भूमि की शक्ल मे है। तथा विक्रित भूमि आवासीय प्रयोजन की भूमि है जिसे क्रेता क्रय करके अपने आवासीय प्रयोगमेलायेगा। विक्रित भूमि सड़क से ३०० मीटर दूर अविकसित क्षेत्र मे स्थित है जिसकी सरकारी मालियत मु० १२०० रूपया प्रतिवर्गमीटर कीदर से मु० १३३४४०० रूपया होती है और मु० १३३५००० रूपये की मालियत पर स्टाम्प मु० १३३५०० रूपये का अदा किया जा रहा है। यह भूमि

किशोरी लाल

स्टाम्प विक्रय की तिथि 11-3-2004

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन बैनामा

स्टाम्प क्रेता का नाम व पूरा पता शेखर चन्द्र जैन पुत्र श्री प्रेम चन्द्र जैन सा० 37 चाहचन्द इलाहाबाद

स्टाम्प की धनराशि— 1000/

स्टाम्प विक्रेता रमा शंकर

लै० नं० १२७ चौरासी खम्भा कचेहरी, इला०

ल० की अवधि १-४-०३ से ३१-३-०४ तक

(286)

11 MAR 2004

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

कलेक्ट्रेट कोषागार
उत्तर प्रदेश
03 MAR 2004
इलाहाबाद

८

वक्फ ट्रस्ट नजूल व पटटा की भूमि नही है।

गवाहान-१- बलवन्तसिंह पुत्र महाबीर नि० चकमुन्डेरा इलाहाबाद

२- रामविशाल पाल एडवोकेट , धर्मशाला कचहरी इलाहाबाद

स्टाम्प विक्रय की तिथि 11-3-2004
स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन बैनामा
स्टाम्प क्रेता का नाम व पूरा पता शेखर चन्द्र जैन पुत्र श्री प्रेमचन्द्र जैन
स्था० 37 चाह चन्द इलाहाबाद
स्टाम्प की धनराशि 1000/

स्टाम्प विक्रेता लक्ष्मी शंकर
लै० नं० १२७ चौरासी खम्भा कचेहरी, इला०
ल०० की अवधि १-४-०३ से ३१-३-०४ तक

285

उप निबन्धक (सदर) इलाहाबाद
सत्यमेव जयते

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.

Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

कोषागार

05 MAR 2004

इलाहाबाद

१०

मसविदाकर्ता- [illegible] एडवोकेट

टाइपकर्ता- प्रेमनारायण पाण्डेय २७ धर्मशाला कचहरी इलाहाबाद

दिनांक ११-३-२००४ ई०

[illegible]

[illegible]

[illegible]

11-3-04

स्टाम्प विक्रय की तिथि

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन बैनामा हेतु

स्टाम्प क्रेता का नाम व पूरा पता

स्टाम्प की धनराशि— 100/

स्टाम्प विक्रेता का नाम श्रीचन्द्र गुप्ता

लाईसेन्स नं० 122 लाइसेन्स की अवधि 31 मार्च 08

अधिकृत विक्रय करने का स्थान व पूरा पता

84 खम्भा कचेहरी इलाहाबाद

श्री चन्द्र गुप्ता
स्टाम्प विक्रेता ८४ खम्भा
लै० नं० १२२

आज दिनांक 11.3.04 को पुस्तक संख्या 1

खण्ड संख्या 4365 के पृष्ठ संख्या 65/84

क्रम संख्या 2621 पर रजिस्ट्रीकृत किया गया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
सदर, इलाहाबाद

उप रजिस्ट्रार (सदर) इलाहाबाद
उत्तर प्रदेश
सत्यमेव जयते

954-04
25/6/04
R-68